647510 0101203F1010 Seat No: _____

B.A. Semester - 2 (CBCS) Examination
March/April- 2019 (Old Course)
FOUNDATION HINDI
(FOUNDATION)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न-१ मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व - कृतित्व सविस्तृत स्पष्ट कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-१ 'पंचवटी' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए।

प्रश्न-२ हिन्दी खण्डकाव्य का उद्‌भव – विकास स्पष्ट करते हुए, खण्डकाव्य के लक्षणों की चर्चा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-२ खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'पंचवटी' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न-३ लक्ष्मण का चरित्र – चित्रण कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-३ भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'पंचवटी' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न-४ " 'पंचवटी' खण्डकाव्य में इतिहास और कल्पना का मिश्रण किया गया है।" – सिद्ध कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न-४ 'पंचवटी' खण्डकाव्य में निरूपित आधुनिकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-५(अ) विचार पल्ल्वन कीजिए। (दो में से किन्हीं एक) (०७)

"मन के हारे हार है मन के जीते जीत"

अथवा

"जाको राखे साइयाँ मार सके न को"

प्रश्न-५(ब) संक्षेपण कीजिए (दो में से किन्हीं एक) (०७)

भाव राशि के संचित कोष का ही नाम साहित्य है। समाज के सब तरह के भावों को प्रकट करने की योग्यता रखने वाली होने पर भी यदि कोई भाषा अपना निज का साहित्य नहीं रखती, तो वह कदापि आदरणीय नहीं हो सकती। उसकी शोभा उसकी सम्पन्नता, उसकी मान – मर्यादा उसके साहित्य पर ही अवलम्बित रहती है।

अथवा

भय का विषय दो रूपों में सामने आता है – असाध्य रूप में और साध्य रूप में। असाध्य विषय वह है जिसका किसी प्रयत्न द्वारा निवारण असंभव हो या असंभव समझ पडे। साध्य विषय वह है जो प्रयत्न द्वारा दूर किया या रखा जा सकता हो। दो मनुष्य एक पहाडी नदी के किनारे बैठे या आनंद से बातचीत करते चले जा रहे थे। इतने में सामने शेर की दहाड सुनाई पडी। यदि वे दोनों उठकर भागने, छिपने या पेड़ पर चढने आदि का प्रयत्न करें तो बच सकते हैं। विषय के साध्य या असाध्य होने की धारणा परिस्थिति की विशेषता के अनुसार तो होती ही है पर बहुत कुछ मनुष्य की प्रकृति पर भी अवलंबित रहती है।

****